**राज्यसभा**

**अतारांकित प्रश्नासंख्या 1989**

**13 मई, 2015 को उत्त र के लिए**

**इस्पात का उत्पादन, खपत और निर्यात**

1989. श्री विजय जवाहरलाल दर्डा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि आने वाले वर्षों में देश के साथ-साथ विदेशों में भी इस्पात के उपभोग में बढ़ोतरी होने वाली है;

(ख) बढ़ती मांग के अनुरूप देश में इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कौन सी रणनीति अपनाई गई है;

(ग) वर्तमान समय में इस्पात के निर्यात की क्या स्थिति है और आगामी वर्षों में निर्यात में कितनी बढ़ोतरी होने की संभावना है; और

(घ) इस्पात निर्यात के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य क्या है और इस संबंध में भारत की क्या स्थिति है?

**उत्तघर**

**इस्पारतऔर खान राज्यमंत्री** **(श्री विष्णुदेव साय)**

(क) : जी, हां।

(ख) : इस्पाीत एक नियंत्रणमुक्तय उद्योग है और उद्योग द्वारा वाणिज्यिक और वित्ती य सोच विचारों के आधार पर निवेश संबंधी निर्णय लिए जाते हैं। तथापि , सरकार इस्पाउत क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साआहित करने के लिए एक सुविधादाता की भूमिका निभाती है। बढ़ती हुई मांगों के अनुरूप में देश में इस्पाात के उत्पा दन में बढ़ोत्तभरी के लिए निम्नंलिखित कदम उठाए गए हैं:

(i) अतिरिक्ता क्षमताओं का सृजन करने, आदान सामग्री की उपलब्धंता में प्रक्रियागत और नीतिगत अड़चनों को दूर करने तथा अनुसंधान और विकास में उच्च तर निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए रणनीति बनाना।

(ii) कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2005 के लागू होने से कोल ब्लॉ कों की नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिससे इस्पाेत क्षेत्र के लिए कोयले की उपलब्धलता में सुधार होगा। इसी प्रकार, खान और खनिज (विकास) संशोधन अधिनियम , 2015 भी

इस्पाुत क्षेत्र के लिए लौह अयस्कख की उपलब्ध ता में सुधार हेतु अंतिम उपभोक्ता2ओं के लिए लौह अयस्का खानों की नीलामी की व्यिवस्थां प्रदान करता है।

(iii) युक्तिसंगत लागत पर इस्पारत क्षेत्र में महत्वापूर्ण कच्चीत सामग्रियों की आसान उपलब्धहता को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने इन सामग्रियों के आयात पर निम्नधतम आयात शुल्कि रखा है। इसके साथ-साथ 58 प्रतिशत से अधिक लोहांश वाले लौह अयस्कय के ग्रेडों पर 30 प्रतिशत निर्यात शुल्कर को बनाए रखा गया,हैताकि देश में उपलब्धस लौह अयस्कल का उपयोग देश के भीतर मूल्य्वर्द्धन हेतु किया जा सके।

(ग) : विगत पांच वर्षों के दौरान भारत द्वारा कुल फिनिश्डय इस्पाुत के निर्यात की स्थिति निम्नधवत है :-

| वर्ष | मात्रा (मिलियन टन) |
|---|---|
| 2010-11 | 3.64 |
| 2011-12 | 4.59 |
| 2012-13 | 5.37 |
| 2013-14 | 5.98 |
| 2014-15* | 5.50 |
| स्रोत: जेपीसी, *अनंतिम | |

इस्पाात के निर्यात में बढ़ोतरी की संभावना अंतर्राष्ट्रीलय बाजार की परिस्थितियों,निर्यात के लिए घरेलू क्षमता की उपलब्ध्ता और निर्यात बाजार में इस्पा्त उत्पा दकों की लागत प्रतिस्प।र्धात्मिकता पर निर्भर करती है।

(घ) : वर्ल्डा स्टी ल डायनेमिक्सी द्वारा प्रकाशित अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्वा में इस्पारत का निम्नरतम लागत पर उत्पासदन करने वाले राष्ट्रों की श्रेणी में आता है।

*****